JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue

JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)

An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

ऑनलाइन शिक्षा तथा भारत में तकनीकी चुनौतियाँ

शोधार्थी

निर्भय कुमार योगी

राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय अलवर

drnky99@gmail.com

सारांश :

शिक्षा हमारे जीवन की आधारशिला है। इसके बिना कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। शिक्षा के माध्यम से ही सभ्य समाज का निर्माण संभव है। एक शिक्षित व्यक्ति ही सुसमृद्ध एवं संस्कारित भारत का निर्माण करता है और शिक्षित समाज शिक्षित देश को बनाने में अपनी अहम भूमिका का निर्वाह कर सकता है।

कोविड–19 महामारी ने दुनिया भर में शिक्षा और शैक्षिक प्रणालियों को अत्यधिक प्रभावित किया है कोरोना के संकट ने हमारी पूरी शिक्षा व्यवस्था के सामने कई सवाल खडे किए हैं जिनमें कक्षा कक्ष शिक्षण की प्रासंगिकता उसकी रोचकता और जरूरतों को बनाए रखना एक बडी चुनौती है।

आज के बदलते परिवेश में समय की मांग एवं आवश्यकतानुसार तकनीकी में बहुत से परिवर्तन किये जा रहे हैं। जिसने मानव जीवन के हर पक्ष को प्रभावित किया है। इसी कडी में शिक्षा ने एक नया आयाम प्राप्त कर लिया है जिसे ई–शिक्षा अथवा ऑनलाइन शिक्षा के नाम से जाना जाता है।

समाज ने ऑनलाइन शिक्षा की वास्तविकता को स्वीकार किया है यह शिक्षा प्राप्त करने का ऐसा आधुनिक माध्यम है जिसके उपयोग से शिक्षक विद्यार्थी देश–विदेश में रहते हुए भी सम्पर्क में रह सकते हैं।

शिक्षा एक ऐसा विषय है जिसमें रातों–रात परिवर्तन होना मुश्किल है प्रबल इच्छाशक्ति हो तो बदलाव की राह पर चलना बहुत कठिन भी नहीं होता इसके लिए नई शिक्षा नीति 2020 में देश की शिक्षा में कई परिवर्तनों की आधारशिला रखी गई है। उम्मीद की जाती है कि बदलाव कि यह बयार आने वाले दिनों में भारत में उस सोच को विकसित करेगी जिसकी कल्पना नई शिक्षा नीति में की गई है। नई शिक्षा नीति में ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल शिक्षा जैसे नए आयामों को समावेशित कर उसकी

जरूरत एवं प्रासंगिकता को स्पष्ट किया है। प्रस्तुत शोध पत्र में ऑनलाइन शिक्षा के समक्ष तकनीकि चुनौतियां एवं भारत में ई–शिक्षा की सफलता–असफलता जैसे प्रमुख उद्देश्यों को अनावृत किया गया है।

Key Word :– शिक्षा, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल शिक्षा, नई शिक्षा नीति, डिजिटल डिपॉजिटरी, वर्चुअल लैब्स, साइबर बुलिंग, साइबर सिक्योरिटी

प्रस्तावना :–

शिक्षा प्राप्त करना जीवन का महत्वपूर्ण कार्य है। जो मुनष्य को बौद्धिक रूप से तैयार करती है, जिसे हम विभिन्न माध्यमों के द्वारा प्राप्त करते हैं। हमारी शिक्षण पद्धति में ''संवाद'' की प्रमुख भूमिका रहती है जिससे बालकों के भावनात्मक पहलू और तार्किक क्षमता का स्वाभाविक विकास होता है।

भारत देश गांवों का देश कहलाता है। जहां पर आबादी का एक बड़ा भाग निवास करता है। हमारी भौगोलिक स्थितियां एक जैसी नहीं है, वे विविधताओं से भरी हुई हैं। जो शिक्षा प्राप्त करने या देने में और ऐसी अनेक कठिनाइयां आज हमारे सामने है जो एक चुनौती बनकर मार्ग को अवरूद्ध कर रही है।

कोविड–19 वैश्विक महामारी ने पूरे विश्व की आर्थिक और सामाजिक पहलुओं के साथ–साथ हमारी शिक्षा व्यवस्था और पठन–पाठन कार्य सबसे ज्यादा प्रभावित किया है।

शैक्षणिक दृष्टि से वर्तमान हालात से उत्पन्न प्रभाव और उपस्थित विकल्पों की सीमाओं और संभावनाओं को जन्म दिया ऐसे में ऑनलाईन शिक्षण व्यवस्था एक वैकल्पिक माध्यम के रूप में उभर कर सामने आई, जो शिक्षा से वंचित बालकों को डिजिटल माध्यमों से घर बैठे–बैठे अर्जित करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का कार्य करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

आज ऑनलाईन शिक्षा एक वास्तविकता है जिसे हमें स्वीकार करना पड़ेगा। ऑनलाईन शिक्षा प्रणाली एक वरदान की तरह है जिसमें कक्षा–कक्ष शिक्षण की प्रांसगिकता, उसकी रोचकता और उसकी जरूरत को बनायें रखना एक बड़ी चुनौती है।

ऑनलाईन (आभासी विधि) स्वप्न की तरह है जो कभी सच भी तो कभी झूठ भी, दोनों पहलुओं में चल सकता है, मगर वर्तमान की स्थिति में भावनात्मक जुड़ाव बेहद जरूरी होता है।

जब भी हम बालकों के सीखने–सीखाने की प्रक्रियाओं की बात करते हैं तो सर्वप्रथम कक्षा–कक्ष में होने वाली अन्तः क्रियाओं के साथ–साथ दैनिक गतिविधियों की अहम भूमिका होती है, क्योंकि बालक का सर्वांगीण विकास का क्रम इसी मंच के माध्यम से होता है। तकनीकी रूप से सक्षम बनने के लिए ऑनलाईन शिक्षा एक अवसर

भी है और चुनौती भी।

कक्षा–कक्ष शिक्षा का विलोप भारत जैसे देश में संभव नहीं है। जरूरत इस बात की है कि शिक्षा का ऐसा एक समन्वयकारी और समावेशी ढांचा व प्रारूप बनाया जाऐ जिसमें डिजिटल शिक्षा, पारंपरिक

शिक्षा पद्धति का मखौल न उड़ायें और न पारंपरिक शिक्षा डिजिटल लर्निंग के नवाचार को बाधित करने की कोशिश करे।

ऑनलाईन शिक्षण व्यवस्था वैकल्पिक माध्यम ही होनी चाहिए, क्योंकि इससे बालकों में अकेलापन, अलगाव और हताशा का डर पैदा होने की संभावना को भी नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। ऑनलाईन शिक्षण में कक्षाओं के संचालन को आसान और सर्वसुलभ तरीकों के द्वारा विकसित करने की बहुत बड़ी चुनौती आज हमारे सामने है।

ऑनलाईन शिक्षा के सफल संचालन हेतु प्रमुख रूप से दो प्रकार की चुनौतियां हमारे सामने आती है :–

(1) तकनीकी रूप से चुनौतियां

(2) संसाधनों की चुनौतियां

(1) ऑनलाईन शिक्षा हेतु तकनीकी रूप से चुनौतियां

(i) डिजिटल नागरिक पहचान की चुनौती (Digital Citizen Identity Challange) कैरन मॉसबर्गर – ''डिजिटल नागरिक वे है जो नियमित रूप से और प्रभावी ढंग से इन्टरनेट का उपयोग करते हैं।''

एक जिम्मेदार डिजिटल नागरिक होने का एक बड़ा हिस्सा डिजिटल साक्षरता, शिष्टाचार ऑनलाईन सुरक्षा और निजी बनाम सार्वजनिक जानकारी की स्वीकृति

शामिल होती है।

अखण्डता के साथ ऑनलाईन–ऑफलाईन एक स्वस्थ सर्वांगसम पहचान बनाने और प्रबंधित करने की क्षमता विकसित करने की आज बड़ी चुनौती है।

(ii) साईबर बुलिंग प्रबन्धन चुनौती (Cyberbulling Management Challenge) ऑनलाईन उत्पीड़न को अक्सर ''साईबर बुलिंग'' के नाम से भी जाना जाता है। इसके लिए डिजिटल मीडिया का उपयोग करके अन्य व्यक्ति के लिए झूठी, शर्मनाक या शत्रुतापूर्ण जानकारी के बारे में संचार की जाने वाली एक प्रक्रिया है। इन स्थितियों का पता लगाने और उन्हें बुद्धिमानी से संभालने की क्षमता विकसित करना। यह कार्य हर कोई करने में असमर्थ होता है। हर तीसरा व्यक्ति साईबर बुलिंग की घटना से पीड़ित है। इसलिए यह कार्य जोखिमपूर्ण होता है इसमें अवसाद, चिंता, अलगाव और आत्महत्या जैसे मनोवैज्ञानिक परिणामों का कारण बन जाती है।

(iii) साईबर सुरक्षा प्रबन्धन की चुनौती (Cyber Security Management Challenge)

बढ़ते इन्टरनेट के प्रयोग से जहां आम आदमी के जीवन को सरल और सुगम बनाया है। इसे सुरक्षित तरीके से उपयोग करना भी एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। बढ़ते साईबर हमलों से निजात दिलाने के लिए साईबर सुरक्षा प्रबन्ध द्वारा मजबूत पासवर्ड बनाकर अपने डेटा की सुरक्षा करने जिससे स्पैम, स्कैम और फिसिंग जैसे साइबर हमलों से बचा जा सकता है।

(iv) गोपनीयता प्रबंधन की चुनौती (Privacy Management Challenge)

इसका अभिप्राय स्वयं के अलावा किसी दूसरों की गोपनीयता की रक्षा के लिए ऑनलाईन साझा की गई सभी व्यक्तिगत जानकारियों को विवेक के साथ संभालने का कार्य किसी चुनौती से कम नहीं है, क्योंकि किसी की व्यक्तिगत जानकारी को अवैध रूप से प्राप्त करने के लिए जानबूझ कर अनेक हथकण्ड़े अपनाये जाते हैं। इन निर्देशित हमलों को आमतौर पर हैंकिंग के रूप में जाना जाता है। किसी की निजी जानकारी प्राप्त करने का 'फिसिंग' एक सामान्य तरीका है।

(v) गंभीर सोच प्रबन्धन की चुनौती (Critical Thinking Management Challenge) आज पूरे विश्व में बढ़ते इन्टरनेट के उपयोग से बच्चों और युवा सही–गलत जानकारी में अन्तर नहीं कर पाते और संदिग्धों के चक्कर में आ जाते है और वे उनके जाल में फंस जाते हैं। जिसके कारण उन्हें आर्थिक और सामाजिक प्रतिष्ठा का गहरा जख्म मिलता है। यह कार्य एक चुनौती से कम नहीं है कि उनको अच्छी–बुरी, भरोसेमंद–संदिग्धों के बीच अन्तर करने की जानकारी एवं समझ विकसित कर सकें।

(vi) डिजिटल फूटप्रिन्ट या डिजिटल छाया प्रबन्धन की चुनौती :–

इंटरनेट का उपयोग करते समय यूजर द्वारा बनाये गये डेटा का एक निशान है। इसमें यूजर द्वारा देखी जाने वाली वेबसाइटें, उसके द्वारा भेजी गई ई–मेल और ऑनलाईन सेवाओं के लिए यूजर द्वारा सबमिट की गई जानकारी शामिल होती हैं। डिजिटल फूटप्रिन्ट की प्रकृति और उनके वास्तविक जीवन

के परिणामों के समझने और उन्हें जिम्मेदारी से प्रबंधित करने की क्षमता विकसित करना ताकि कोई उनकी जानकारी का गलत उपयोग न कर सके।

(vii) डिजिटल सहानुभूति प्रबंधन की चुनौती :–

बढ़ते इन्टरनेट और सोशल मीडिया के उपयोग से मानसिक संवेगों पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है जिसके कारण वे अपनी भावनाओं और आवेश पर नियन्त्रण नहीं रख पाते और जो भी दिमाग में प्रतिक्रिया आती है वह अभिव्यक्त कर देते हैं, दूसरों पर उसका क्या प्रभाव होगा इस बात से अनजान रहते हैं। ऐसे में ऑनलाईन रहने के दौरान अपनी ओर दूसरों की जरूरतों और भावनाओं के प्रति सहानुभूति रखने की क्षमता विकसित करना किसी चुनौती से कम नहीं है।

(viii) स्क्रीन समय प्रबंधन की चुनौती :–

आज विश्व में मोबाइल/कम्प्यूटर पर समय बिताने में हमारा देश चौथे स्थान पर है। औसतन 4–8 घण्टे का समय इन्टरनेट का उपयोग करने में व्यतीत कर रहे हैं। स्क्रीन पर अधिक समय बिताने से और अधिक ऑनलाईन गेम खेलने से शारीरिक और मानसिक नुकसान के साथ–साथ भावनायें खत्म होने लगती है। किसी के स्क्रीन टाईम, मल्टी टास्किंग और ऑनलाईन गेम्स और सोशल मीडिया में आत्म नियन्त्रण के साथ किसी की व्यस्तता को प्रबंधित करने की क्षमता विकसित करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है।

निष्कर्ष :– इस बात को महत्वपूर्ण स्थान देना जरूरी है कि शिक्षा किसी भी रूप में हो परन्तु शिक्षार्थी की शिक्षा बाधित नहीं होनी चाहिए। कोरोना काल ने सही मायने में भारत को डिजिटल इंडिया बना दिया है। ऑनलाईन शिक्षा आज शिक्षा प्राप्त और प्रदान करने का सबसे बड़ा साधन है।

यह कहा जा रहा है कि ऑनलाईन कक्षाऐं वास्तविक कक्षाओं का विकल्प नहीं हो सकती क्योंकि एक शिक्षक की उपस्थिति में कुछ सीखा जाये दूसरा उसकी वर्चुअल उपस्थिति में कुछ सीखा जाये दोनों को अलग–अलग परिस्थितियां है। आज ऑनलाईन शिक्षा एक वास्तविकता है जिसे हम मानें या न मानें स्वीकार करना पड़ेगा। कोरोना के संकट ने हमारी पूरी शिक्षा व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े किये है। जिसमें क्लासरूम टीचिंग की प्रासंगिकता, उसकी रोचकता और जरूरत बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। साथ ही भारत जैसे देश में ऑनलाइन शिक्षा के तकनीकि चुनौतियों की समस्या भी एक गंभीर विषय है।

सन्दर्भ सूची :–

1- सक्सैना, पराग (2017) – ''नई शिक्षा पद्धति'', अग्रवाल पब्लिकेशन, नई दिल्ली

2- डंगवाल, डॉ. किरणलता, वर्मा डॉ. सुमन (2016), ''सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी'', राखी प्रकाशन प्रा.लि. आगरा

3- डॉ. हर्ष कुमार, गोदारा डॉ. के.एल. (2016) – ''ICT की समीक्षात्मक समझ'', राखी प्रकाशन प्रा.लि. आगरा

4- www.indianexpress.com > "Digital India" is not prepared for Digital Education, By Sam Pitroda (3 Sep. 2020)

5- www.drishtiias.com > इलेक्ट्रॉनिक शिक्षा : विशेषताएं और चुनौतियां, 30 अप्रैल 2020

6- www.hindisahityatest.com> ऑनलाईन शिक्षा की चुनौतियां

7- www.hindividyaog.com > ऑनलाईन शिक्षा का महत्व

8- www.patrika.com > आपकी बात, वर्तमान में कितनी उपयोगी है ऑनलाईन शिक्षा ? 11 नवम्बर, 2020

9- www.jansatta. com > ऑनलाईन शिक्षा की चुनौतियां, 4 अगस्त 2021

10- www.leverageedu.com> एक सुनहरे कल की शुरूआत, 17 जून 2021

11- www.bhaskar.com > नई पीढ़ी हो रही मनोवैज्ञानिक परेशानियों का शिकार, 02 नवम्बर 2021

12- www.patrika.com > मोबाइल या इन्टरनेट की लत है तो यह कीजिऐ, By - संतोष पाडें, 3 Aug. 2019

13- www.livehindustan.com > लोगों में मोबाइल की लत छुड़ाने को अब सरकार ने बनाया सूपर प्लान] By - गौरव शर्मा] 20 July 2019

14- www.amarujala.com > 48% किशोर इन्टरनेट की लत के ग्रसित, जीवन पर पड़ रहा है, नकारात्मक असर By - अभिषेक पांचाल, संजीव कुमार झा, 19 Feb. 2020